This question paper contains **4** printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **309**

Unique Paper Code : **205339** **D**

Name of the Paper : **Hindi–A**

Name of the Course : **B.A. (Prog.)**

Semester : **III**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

1. किन्हीं **दो** अनुच्छेदों के नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 9+9=18

(क) धीरे से वह उठता पुकार –

मुझको न मिला रे कभी प्यार ।

पागल रे ! वह मिलता है कब

उसको तो देते ही हैं सब

आँसू के कन-कन से गिनकर

यह विश्व लिए है ऋण उधार,

तू क्यों फिर उठता है पुकार ?

मुझको न मिला रे कभी प्यार !

P.T.O.

(1) 'पागल रे' का सम्बोधन कवि ने किसके लिए और क्यों किया है ?

(2) 'वह मिलता है कब ..... सब' पंक्ति के माध्यम से कवि क्या कहना चाहता है ?

(3) इन पंक्तियों में प्रेम के प्रति किस प्रकार का दृष्टिकोण दिखाई देता है ?

(ख) बाज़ार को सार्थकता भी वही मनुष्य देता है जो जानता है कि वह क्या चाहता है। और जो नहीं जानते कि वे क्या चाहते हैं, अपनी 'पर्चेचिंग पावर' के गर्व में अपने पैसे से केवल एक विनाशक शक्ति-शैतानी शक्ति, व्यंग्य की शक्ति ही बाज़ार को देते हैं । न तो वे बाज़ार से लाभ उठा सकते हैं, न उस बाज़ार को सच्चा लाभ दे सकते हैं । वे लोग बाज़ार का बाज़ारूपन बढ़ाते हैं । जिसका मतलब है कि कपट बढ़ाते हैं । कपंट की बढ़ती का अर्थ परस्पर में सद्भाव की घटी । इस सद्भाव के ह्रास पर आदमी आपस में भाई-भाई और सुहृद और पड़ोसी फिर रह ही नहीं जाते हैं और आपस में कोरे गाहक और बेचक की तरह व्यवहार करते हैं ।

(1) प्रस्तुत उद्धरण के लेखक और पाठ का नाम लिखिए ।

(2) 'पर्चेजिंग पावर' के गर्व से लेखक का क्या अभिप्राय है ?

(3) 'बाज़ारूपन' के बढ़ने से मनुष्य के सामाजिक सम्बन्धों पर क्या प्रभाव पड़ता है ?

(ग) शहर के बारे में दूसरे जीवनयापन करने वालों से अलग एक रचनाकार की दृष्टि या आधुनिक नज़र क्या होनी चाहिए । नौस्टेलजिया की, स्वप्न की, मलामत की या विवशता की । इलाहाबाद एक ऐसा शहर है जिसने कई शताब्दी हुए अपनी पताका पंडों की पताकाओं की तरह नदी के घाट पर निरन्तर फहराई । इसी नदी के किनारे भारतीय लोक-जीवन का एक मेहनतकश नाविक राम के पैर पखार रहा था । तब से आज तक अख़ाडों, धर्मस्थलों, विश्वविद्यालय और न्यायालय ही इलाहाबाद के तिलिस्म को अपने भीतर कैद किए हुए हैं । तिलिस्म की यह डिबिया अब खुल गई है ।

(1) प्रस्तुत उद्धरण के लेखक और पाठ का नाम लिखिए ।

(2) इलाहाबाद में परंपरा से चले आ रहे धार्मिक, शैक्षणिक तथा अन्य संस्थाओं को लेखक 'तिलिस्म' क्यों कहता है ?

(3) इस उद्धरण में इलाहाबाद शहर की परम्परा को लेखक किस रूप में देखता है ?

2. किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 6+6=12

(1) 'मुझे कदम-कदम पर' शीर्षक कविता में कवि किस विषय पर चिन्ता प्रकट करता है ? विचार कीजिए । (मुझे कदम-कदम पर)

(2) 'पर्दा उठाओ ! पर्दा गिराओ' एकांकी रंगमंच की किस समस्या को प्रस्तुत करता है? विवेचन कीजिए । (पर्दा उठाओ ! पर्दा गिराओ)

(3) राष्ट्रीयता की भावना के विकास के लिए लेखक किन-किन बातों का होना ज़रूरी मानता है ? (गहरी नींद के सपनों में बनता हुआ देश)

(4) 'मैं हार गई' में कहानीकार अपनी हार क्यों स्वीकार करती है ? (मैं हार गई)

3. किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5+5+5=15

(1) भाषा की परिभाषा देते हुए उसके महत्व पर प्रकाश डालिए ।

(2) भाषा के अंगों पर विचार कीजिए ।

(3) भावों की अभिव्यक्ति में भाषा की भूमिका पर प्रकाश डालिए ।

(4) भाषा में परिवर्तन के प्रमुख कारणों का उल्लेख कीजिए ।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(1) भाषा किसी समाज की विशिष्ट पहचान होती है—इस कथन को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

भाषा के औपचारिक प्रयोग पर विचार कीजिए । 8

(2) सामाजिक स्तर-भेद के कारण भाषा में होने वाले अन्तर को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

अथवा

समाज में भाषिक विविधता की भूमिका पर विचार कीजिए । 7

5. किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5+5+5=15

(1) **पाँच** देशज तथा **पाँच** विदेशी शब्द लिखिए ।

(2) लक्षक शब्द तथा लक्ष्यार्थ से आप क्या समझते हैं ? स्पष्ट कीजिए ।

(3) निम्नलिखित के विपरीतार्थक शब्द लिखिए :

हर्ष, कर्म, ध्वंस, उत्कर्ष, सुख ।

(4) निम्नलिखित के **दो-दो** समानार्थी शब्द लिखिए :

भूमि, रात्रि, हाथ, वस्त्र, सोना ।